रसोई गैस की किल्लत : कलेक्ट्रेट से लेकर सड़क पर प्रदर्शन

15 से 20 दिन बाद भी नहीं मिल रहे सिलेंडर, कोलुआ रोड़ पर किया चक्काजाम, अब विभाग की निगरानी में होगा वितरण

नवभारत न्यूज

अशोकनगर। जिले में रसोई गैस सिलेंडर की समस्या दिन प्रतिदिन की बड़ती जा रही है, जिसके कारण लोग सिलेंडर लेने के लिए इधर से उधर भटकते हुए नजर आते है। तो वहीं सोमवार को सिलेंडर न मिलने की समस्या से जूझ रहे लोगों ने सड़क से लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया। इस दौरान जहां कोलुआ रोड़ पर लोगों द्वारा चक्काजाम किया गया, जिसे पुलिस ने समझाइस बाद खुलवाया। तो वहीं कई लोग सिलेंडर लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे, जहां पर प्रशासनिक अधिकारियों की समझाइस के बाद वह घर लौटे।

दरअसल जिलामुख्यालय पर बीते तीन दिनों से रसोई गैस सिलेंडर की गाड़िया नहीं आई थी, जिसके चलते मांग अनुरूप वितरण नहीं हो पाया। तो वहीं छुट्टियों के बाद खुले बाजार में लोग बड़ी संख्या में सिलेंडर लेने के लिए एजेंसी पर पहुंचे, लेकिन वहां पर उन्हें नंबर और पर्चीयों को लेकर परेशान होना पड़ा, तो वहीं 15 से 20 दिन गुजरने के बाद सिलेंडर नहीं मिले, तो गुस्साएं लोगो ने बाबा गैस एजेंसी पर सोमवार की सुबह सिलेंडर रखकर चक्काजाम कर दिया। जिसके कारण सड़क के दोनो तरफ वाहनों की कतार लग गई। वहीं जाम की जानकारी जैसे ही पुलिस को लगी तो वह मौके पर पहुंची और लोगों को समझाइस देते हुए जाम खुलवाया गया।

इनका कहना है।

दोपहर बाद सिलेंडर की गाड़ी आई है, जिन्हें कल वितरित कराया जाएगा, इसके अलावा सिलेंडर वितरण में इतनी दिक्कत क्यों आ रही है, इसके लिए विभाग द्वारा दोनो एजेंसियों पर विभागीय कर्मचारियों को लगाया गया, जिनकी निगरानी में सिलेंडरों का वितरण किया जावेगा।

प्राची शर्मा,
जिला खाद्य अधिकारी
अशोकनगर।

नवीन तहसील भवन को लेकर वकीलों का प्रदर्शन

उद्घाटन में न बुलाने और जगह न मिलने पर जताया विरोध

कहा अभी तो यह अंगड़ाई है आगे और लड़ाई है

नवभारत न्यूज

अशोकनगर। जिलामुख्यालय पर बने नवीन तहसील भवन को लेकर विवादों की स्थिति बन गई है। नवीन तहसील भवन में काम पूरा भी नहीं हुआ है इसके पहले ही भवन का लोकार्पण केंद्रीय मंत्री के हाथों करवा दिया गया है। यह सब इतने आनन-फानन में हुआ कि कार्यक्रम में जिन्हें आमंत्रित करना चाहिए उन्हें बुलाया तक नहीं। इतना ही नहीं नवीन तहसील भवन में वकीलों को बैठने के लिए तक उचित स्थान नहीं दिया गया। जिसको लेकर विरोध शुरू हो गया है।

दरअसल सोमवार को जिला बार एसोसिऐशन ने विरोध प्रकट किया और मंगलवार को बैठक कर आगे विरोध प्रदर्शन करने की रणनीति बनाने के लिए कहा। सोमवार को पुराने तहसील कार्यालय पर अभिभाषक एकत्रित हुये और विरोध जताया। जिला अभिभाषक संघ के अध्यक्ष चंद्रशेखर साहू ने कहा कि नवीन तहसील भवन में वकीलों और टाइपिस्टों को तक बैठने की जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि एसडीएम व तहसीलदार कुर्सी पर बैठकर बिना वकीलों के न्याय कर देंगे। नवीन तहसील भवन के उद्घाटन की सूचना नहीं दी गई, जिसकी शिकायत क्षेत्रीय सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित पीएमओ तक की जाएगी। तहसील परिसर में वकीलों ने एकत्रित होकर नारे लगाये। इस दौरान अभिभाषकों ने अभी तो यह अगड़ाई है और आगे और लड़ाई सहित प्रशासन मुर्दाबाद के नारे भी लगाये।

नवीन तहसील भवन बिजली का दुरुपयोग

अशोकनगर। नवीन तहसील भवन को लेकर जहां विरोध प्रारंभ हो गया है, तो वहीं बड़ी मुश्किल से लोगों को मिलने वाली बिजली का 70 घंटे से दिन रात चालू है जिसका जमकर दुरूपयोग किया जा रहा है। सोमवार को लोगों ने नवीन तहसील कार्यालय पहुंचकर बिजली के हो रहे दुरूपयोग को स्विच दबाकर बंद किया। जबकि भवन पर की गई आर्कषक लाइटिंग फिर भी बंद न हो सकी। दरअसल शनिवार को केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने नवीन तहसील भवन का लोकार्पण किया। लोगों का आरोप है कि जहां नवीन तहसील भवन में कार्य पूरा भी नहीं हुआ है इसके पहले ही भवन का लोकार्पण करा दिया गया है। तो वहीं तीन दिनों से नवीन तहसील भवन की लाइट बंद ही नहीं की गई। नवीन भवन पर की गई आर्कषक लाइटिंग दिन रात जल रहीं है, जो सीधे बाहर रखे ट्रांसफार्मर से जोड़ दिया गया है, जिसे बंद करने का मतलब बंद करने का काम ही नहीं है।

एक नजर में

फांसी लगाकर आत्महत्या कर रहीं महिला को पुलिस ने बचाया

अशोकनगर। जीवन में आ रहीं परेशानियों के चलते एक 60 वर्षीय वृद्ध महिला द्वारा फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त करने का प्रयास किया जा रहा था, जिसकी जानकारी जैसे ही कोतवाली पुलिस को मिली तो पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और महिला को फांसी के फंदे से उतारकर उसकी जान बचाई। पुलिस की मानवीय संवेदनशीलता को देखकर हर कोई प्रशंसा कर रहा है। दरअसल रविवार की रात करीब 9 बजे पुलिस को सूचना प्राप्त मिली कि टोरिया रोड पावर हाउस के पास स्थित एक मकान में एक वृद्ध महिला द्वारा स्वयं को कमरे में बंद कर फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया जा रहा है। उक्त सूचना सिटी मोबाईल में भ्रमण कर रहे सहायक उप निरीक्षक दिनेश कुमार शर्मा को प्राप्त हुई, जिन्होंने तत्काल थाना प्रभारी को अवगत कराया। थाना प्रभारी द्वारा घटना की जानकारी पुलिस अधीक्षक को दी गई, जिस पर पुलिस अधीक्षक द्वारा तत्काल पुलिस टीम को मौके पर भेजकर महिला का सुरक्षित रेस्क्यू करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान श्री शर्मा, आरक्षक अभयराज रघुवंशी एवं आरक्षक पवन धाकड़ को तत्काल घटनास्थल पर भेजा गया। मौके पर पहुंचने पर पाया गया कि कमरा अंदर से बंद था एवं महिला की स्थिति गंभीर थी। परिजन मौके पर उपस्थित थे एवं अत्यंत चिंतित थे। कमरे के अंदर झांककर देखा गया तो महिला साड़ी के फंदे से लटकी हुई दिखाई दी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने बिना विलंब के वैकल्पिक उपाय अपनाते हुए कमरे की छत पर लगे टीनशेड को हटाकर अंदर प्रवेश किया। तत्पश्चात सावधानी पूर्वक महिला को फंदे से उतारकर बाहर निकाला गया। महिला में उस समय हल्की सांस चल रही थी, जिसे तुरंत थाना वाहन से जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों द्वारा तत्काल उपचार प्रारंभ किया गया। वर्तमान में महिला की स्थिति खतरे से बाहर है एवं चिकित्सकीय निगरानी में है।

तालाब में नहाने गए तीन दोस्तों की डूबने से मौत

घटना के बाद पूरे गांव में छाया मातम, नाबालिग मृतकों को नहीं आता था तैरना

नवभारत न्यूज

अशोकनगर/नईसराय। अपने दोस्तो के साथ गांव के तालाब में नहाने गए तीन नाबालिग बच्चों की मृत्यु डूबने से हो गई, यह घटना जिले के ग्राम अजलेश्वर गांव में घटी, जहां घटना के बाद पूरे गांव में मातम छाया हुआ है।

जानकारी के अनुसार सोमवार की दोपहर करीब 12 बजे गांव के करीब आधा दर्जन बच्चे गांव के तालाब में नहाने के लिए गए थे, जहां मस्ती के दौरान तीन बच्चे अचानक से गहराई में चले गए और वह एक एक कर डूब गए, इस दौरान साथ में नहा रहे अन्य बच्चों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन वह सफल नहीं हो सके। जिसके चलते मयंक रघुवंशी पुत्र अवधेश रघुवंशी उम्र 16 साल साल, ओम रघुवंशी पुत्र सतीश रघुवंशी उम्र 15 साल, देव रघुवंशी पुत्र राकेश रघुवंशी उम्र 14 साल की मौके पर ही मृत्यु हो गई। बताया जा रहा है कि तीनों बच्चे अपने परिजनों की एकलौती संतान थे।

घरों के चिराग बुझते ही गांव में पसरा सन्नाटा

सोमवार की दोपहर तालाब में नहाने के दौरान हुई बच्चों की मौत ने पूरे जिले को गमगीन कर दिया, तो वहीं जिन घरों ये चिराग थे, उन घरों पर हालत काफी खराब थे, क्योंकि बच्चों के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल था। तो वहीं पूरे गांव में सन्नाटा पसर गया और गांव में मातम छा गया और हर किसी की आंखे नम नजर आई। वही सूचना मिलते ही एसडीएम त्रिलोचन गौड, तहसीलदार शंभू सिंह मीणा, नायब तहसीलदार अरुण सिंह गुर्जर भी गांव पहुंचे और परिजनों को ढांढस बधाई। उल्लेखनीय है कि यह गांव क्षेत्रीय विधायक जगन्नाथ सिंह का है।

अन्य ब ों ने दी घटना की जानकारी:

तालाब में नहाते समय तीनों बच्चे एक एक गहराई में डूबते गए, जिन्हें बचाने के लिए अन्य बच्चों ने प्रयास किया, लेकिन वह इसमें सफल नहीं हो सके। तो वहीं पास में नहा रहे नीरज, कृष्णा, रामू ,भारत ने उनको देखकर तुरंत उनके परिजनों को फोन लगा कर सूचना दी परिजनों को सूचना दी, जिसके बाद मौके पर पहुंचे परिजनों ने बच्चों को खोजने का प्रयास किया। इसके साथ ही घटना की जानकारी पुलिस को दी गई, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने एसडीआरएफ की मद्द से बच्चों के शवों को तालाब से बाहर निकाला और पीएम के लिए अस्पताल पहुंचाया। जहां पीएम उपरांत शव बच्चों के परिजनों के सुपुर्द कर दिया। बताया जा रहा है कि मृतक तीनों बच्चों में किसी भी तैराा नहीं आता था।

टीईटी के नए नियम पर आर-पार की जंग

मप्र शिक्षक संघ ने खोला मोर्चा, सौंपा ज्ञापन

कहा शिक्षकों के हित में करे निर्णय

नवभारत न्यूज

मुंगावली। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ द्वारा शिक्षक पात्रता परीक्षा टीईटी के विरुद्ध प्रभावित शिक्षकों के हितार्थ,भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन से, सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय से राहत हेतु अध्यादेश अथवा पुनर्विचार याचिका हेतु मप्र शिक्षक संघ के प्रांतीय आव्हान पर मुंगावली में संघ ने सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय को प्रदेश के हजारों शिक्षकों के भविष्य के लिए गंभीर संकट बताते हुए विधायक बृजेंद्र सिंह यादव को मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर हस्तक्षेप की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया है कि शिक्षकों टीईटी की अनिवार्यता को कोर्ट के नए निर्णय के अनुसार, कक्षा 1 से 8 तक कार्यरत सभी शिक्षकों के लिए नियुक्ति तिथि चाहे जो भी हो, टीईटी उत्तीर्ण करना अनिवार्य कर दिया गया है, मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष जितेंद्र सिंह दांगी के नेतृत्व में सोमवार को विधायक बृजेंद्र सिंह यादव को ज्ञापन दिया गया। ब्लॉक अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह दांगी ने बताया कि शिक्षा की गुणवत्ता जितनी आवश्यक है, उतना ही आवश्यक उन शिक्षकों की सेवा-सुरक्षा और सम्मान की रक्षा करना है जिन्होंने वर्षों अपनी मेहनत,लगन और कौशल से शिक्षा व्यवस्था को सींचा है। ज्ञापन में में शिक्षक संघ द्वारा पुनर्विचार याचिका राज्य शासन और स्कूल शिक्षा विभाग सर्वोच्च न्यायालय में इस निर्णय के विरुद्ध तत्काल पुनर्विचार याचिका दायर करन संशोधन विधेयक लाने की मांग की।

सैद्धांतिक रूप से बनी सहमति, सफाई कर्मचारियों की हड़ताल समाप्त

नवभारत न्यूज

चंदेरी। नगर पालिका परिषद चंदेरी में पिछले 13 दिनों से चला आ रहा द्वंद अब समाप्त हो गया है प्रशासन और सफाई कर्मचारियों के बीच कई दौर की बातचीत के दौरान सफाई कर्मचारी की मांगों को लेकर विचार विमर्श किया गया, जिसके चलते भीम आर्मी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील बैरसिया के नेतृत्व में एसडीएम मनीष धनगर के बीच हुई बातचीत को समान सिद्धांतों और मानवीय दृष्टि को अपनाते हुए अधिकतर सभी मांगों को लेकर समाधान और सामंजस बनाकर नगर पालिका ने मान लिया है। जिसके चलते नगर पालिका अध्यक्ष संतोष कोली की उपस्थिति में सैद्धांतिक रूप से बनी सहमति को मानकर सफाई कर्मचारियों के अध्यक्ष रूपेश घावरी ने हड़ताल समाप्त करने की घोषणा कर दी है, अब सभी कर्मचारी अपने निर्धारित कार्य पर पुन: नियमित रूप से कार्य करेंगे।

निलंबित कर्मचारी होंगे बहाल:

हड़ताल कर रहे 17 सफाई कर्मचारियों को सीएमओ प्रदीप शर्मा के द्वारा निलंबित कर दिया गया था, जिन्हें कार्य पर लौटने के पश्चात उनका निलंबन रद्द कर दिया जाएगा, जबकि रूपेश घावरी सफाई यूनियन अध्यक्ष की बहाली भी कर दी जाएगी। इसके अलावा हटाए गए पीरियड का वेतन वार्ड पार्षद की अनुशंसा रिपोर्ट के आधार पर भुगतान भी किया जाएगा। हड़ताल समाप्त कराने में प्रशासन की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिसमें तहसीलदार दिलीप दरोगा, एसडीओपी महेश शर्मा, नगर निरीक्षक प्रशांत यादव, नगर निरीक्षक कदवाया मनीष जादौन ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भीम आर्मी ने निभाई मुख्य भूमिका:

भीम आर्मी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील बैरसिया के नेतृत्व में हड़ताल कर रहे सफाई कर्मचारियों को न्याय दिलाने के लिए तथा नगर पालिका से मांगों को मनवाने के लिए एक विशाल रैली के साथ नगर पालिका कार्यालय पहुंचे, जिसमें सफाई कर्मचारी भी मौजूद थे। भीम आर्मी के पदाधिकारीयों की मौजूदगी में ही स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों और नगर पालिका अध्यक्ष के बीच सामंजस्य बनवाकर हड़ताल को समाप्त कराने में मुख्य भूमिका निभाई गई। इस दौरान संभाग अध्यक्ष बलवीर जडेजा, जिलाध्यक्ष प्रवेंद्र जाटव, जिला प्रभारी रोहित चौधरी, पूर्व जिला अध्यक्ष जितेंद्र बेरसिया सहित अन्य लोगों का भी सहयोग रहा।

इन बिंदुओं पर हुआ था विचार विमर्श:

सफाई कर्मचारियों द्वारा मुख्यत: 8 मांगो को लेकर हड़ताल को अंजाम दिया गया था। जिसमें विनमितिकरण, नियमितीकरण की मांग शासन स्तर पर होने के कारण नियम अनुसार कार्रवाई करने का आश्वासन दिया गया है शेष मांगों पर पूर्ण रूप से सहमति बन गई है जिसमें मुख्य मांग पिछले माह फरवरी तक का रुका हुआ वेतन का चुकता भुगतान सफाई कर्मचारियों को पोर्टल खोलने के उपरांत कर दिया जाएगा। वहीं आगामी मार्च महीनों का वेतन 15 तारीख तक देने का निश्चय किया गया है, जिसकी सहमति लिखित रूप से नगरपालिका अध्यक्ष संतोष कोली ने उपस्थित अधिकारियों के समक्ष कर्मचारी यूनियन के अध्यक्ष रूपेश घावरी को सौंप दिया है।

घोटाला | **मिली भगत या फिर जिम्मेदारों की लापरवाही**

समर्थन मूल्य खरीदी में फर्जी पंजीयन का घोटाला, री सत्यापन की खुली पोल

नवभारत न्यूज

मुंगावली। सरकार भले ही भ्रष्टाचार खत्म करने के लिए हर साल नई व्यवस्थाएं लागू करती है लेकिन जमीनी स्तर पर बैठे भ्रष्ट तत्व हर बार उसका तोड़ निकाल लेते हैं। इस बार समर्थन मूल्य पर अनाज खरीदी के लिए हुए पंजीयन में एक बड़ा घोटाला सामने आया है। ताज्जुब की बात यह है कि प्रशासन द्वारा री-सत्यापन (फिर से जांच) करने के बाद भी फर्जी पंजीयन कम होने के बजाय बढ़ गए हैं।

मिलीभगत या लापरवाही:

सेवा सहकारी समिति मर्यादित मुंगावली, ओडेर, मल्हारगढ़ और डोंगरा ग्राम सेहराई जैसे केंद्रों पर फर्जीवाड़े की परतें दिन-ब-दिन खुल रही हैं। हाल ही में ओडेर समिति में ऐसा मामला सामने आया जहां जमीन किसी और की थी और पंजीयन किसी और के नाम पर कर दिया गया। जब शिकायत हुई तो अधिकारियों ने सत्यापन की बात कही, लेकिन आलम यह है कि फर्जी पंजीयन आज भी पोर्टल पर सत्यापित दिख रहे हैं। न तो इन पंजीयनों को निरस्त किया गया और न ही दोषियों पर कोई ठोस कार्रवाई हुई जिससे अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

Print Date: 4/4/2026 2:33:43 PM

खाद्य,नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग
रबी फ़सल के उपार्जन हेतु किसान पंजीयन पर्ची वर्ष 2026-27
समग्र सदस्य आईडी : 144145428

किसान की व्यक्तिगत जानकारी:-
किसान का नाम (हिंदी में) : सोनू दोहरे — पिता/पति का नाम (हिंदी में) : रामगोपाल दोहरे
किसान का नाम (इंग्लिश में) : SONU DOHRE — पिता/पति का नाम (इंग्लिश में) : RAMGOPAL DOHARE
जिला : अशोकनगर — तहसील : मुंगावली
मोबाइल नं. : 8815748423 — किसान कोड : 263462400603
वर्ग : एस.सी. — आधार नं. : Yes

बैंक खाता संख्या : 33647218204 — आई.एफ.एस.सी कोड : SBIN0030084

जिला	तहसील	ग्राम	फसल	स्वयं/सिकमी	मूल भू-स्वामी/पट्टाधारी का नाम	पटवारी हल्का नं.	खसरा क्र./पट्टा क्र.	रकबा	सिंचित रकबा (हेक्टेयर में)	असिंचित रकबा (हेक्टेयर में)
अशोकनगर	मुंगावली	टीला	मसूर	स्वयं	ओमप्रकाश ब्रजभानसिंह,गीताबाई गुड्डीबाई,हरकुंवरबाई	00026	177	3.375	3.375	0
अशोकनगर	मुंगावली	टीला	मसूर	स्वयं	रामदास	00026	111	1.484	1.484	0
अशोकनगर	मुंगावली	टीला	मसूर	स्वयं	हरिराम,कौरतसिंह,गुड्डीबाई	00026	155	0.376	0.376	0
अशोकनगर	मुंगावली	टीला	मसूर	स्वयं	[illegible]	00026	163/2	1.045	1.045	0
अशोकनगर	मुंगावली	टीला	मसूर	स्वयं	हरकुंअरबाई	00026	181/2	4.128	4.128	0
अशोकनगर	मुंगावली	टीला	मसूर	स्वयं	कृपाराम,कृपाराम	00026	69	1.035	1.035	0
अशोकनगर	मुंगावली	टीला	मसूर	स्वयं	हरकुंअरबाई	00026	176/3	0.146	0.146	0
अशोकनगर	मुंगावली	टीला	मसूर	स्वयं	ओमप्रकाश	00026	86/2	1.59	1.59	0
							Total:-	13.179	13.179	0

दिनांक: 3/16/2026 9:57:00 PM — कृषक के हस्ताक्षर/अंगूठे का निशान

रकबा चोरी का खेल, जांच के बाद कम होने के बजाय बढ़ गया रकबा:

पंजीयन घोटाले की शिकायतें जब मुख्यमंत्री हेल्पलाइन (181) और जिला प्रशासन तक पहुंची तो दिखावे के लिए री-सत्यापन कराया गया। लेकिन परिणाम चौंकाने वाले रहे जानकारी की माने तो रकबा कम होने की जगह और बढ़ गया। बड़ा सवाल यह है कि आखिर प्रशासन की नाक के नीचे इतने बड़े स्तर पर फर्जीवाड़ा कैसे हो रहा है? क्या पूर्व में हुई एफआईआर के बाद भी भू-माफियाओं और भ्रष्ट कर्मचारियों के मन से कानून का खौफ खत्म हो चुका है।

ऐसे अंजाम दिया जाता है घोटाले को:

इस पूरे खेल में एक सोची-समझने रणनीति के तहत काम किया जाता है पोर्टल पर जमीन का असली मालिक कोई और होता है जबकि पंजीयन में नाम किसी और का दर्ज कर दिया जाता है। पंजीयनकर्ता अपने विश्वासपात्र लोगों के नाम जोड़ते हैं ताकि सरकार द्वारा खरीदी गई फसल की राशि सीधे उनके खातों में आए और वहां से सरलता से घोटालेबाजों तक पहुंच जाए पंजीयन की आखिरी तारीख तक जो वास्तविक किसान छूट जाते है उनके रकबे पर फर्जी लोगों के नाम चढ़ा दिए जाते हैं।

लाखों की लूट की तैयारी:

पंजीयन का यह फर्जीवाड़ा सीधे तौर पर शासन के खजाने और वास्तविक किसानों के हक पर डाका है। बिना सत्यापन के पंजीयन को हरी झंडी देना यह दर्शाता है कि यह खेल बिना ऊंचे रसूख और विभागीय मिलीभगत के संभव नहीं है। अब देखना यह होगा कि क्या जिला प्रशासन इन फर्जी पंजीयनों को निरस्त कर दोषियों को जेल भेजता है या फिर किसानों के नाम पर सरकारी धन की यह बंदरबांट यूं ही चलती रहेगी।

जांच में एक दर्जन से अधिक फर्जी पंजीयन आए सामने:

फर्जी पंजीयन मामले में जब जांच की गई तो करीब एक दर्जन ऐसे नाम सामने आए, जिनका फर्जी पंजीयन पाया गया, जिसका री सत्यापन प्रशासन द्वारा किया जा रहा है, वही अब सवाल यह उठता है कि फर्जी पंजीयन मामले में जिम्मेदार गंभीरता से इस मामले को क्यों नहीं ले रही रही है जबकि सरकार किसानों के हितों की बात कहती आ रही है।

इनका कहना है।

पंजीयन मामले में उप सहकारिता और सहकारी बैंक को जांच के लिए लिखा है, साथ ही इस मामले में मुंगावली एसडीएम जांच कर रहे है।

प्राची शर्मा, जिला खाद्य अधिकारी
अशोकनगर

विहिप की बैठक आयोजित

नवभारत न्यूज

अशोकनगर। विश्व हिंदू परिषद समरसता के तहत 12, 13 और 14 अप्रैलको गुना विभाग में समरसता जागरूकता यात्रा निकाली जाएगी। इसको लेकर सोमवार को वाल्मीकि मंदिर पर बैठक आयोजित की गई। जिसमें प्रान्त अर्चक मंदिर आयाम प्रमुख डॉ दीपक मिश्रा ने कहा की सभी समाज प्रमुख समाजजन एक साथ बैठकर सामाजिक कुरीतियों को दूर करेंगे, समाज के भेदभाव को दूर करेंगे, भगवान राम ने कोई भेदभाव नहीं किया, भगवान कृष्ण ने कोई भेदभाव नहीं किया, इसलिए भेदभाव की परंपरा मुगलों और अंग्रेजों ने हमारे देश में प्रारंभ की है, जिसके कारण हमारे धर्म के अनुयाई आपस में बट रहे हैं हमें उन्हें संगठित करना है एकत्रित करना है इस हेतु समरसता यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। जिला समरसता प्रमुख विकास जैन बल्ली ने बताया इस यात्रा में केंद्रीय क्षेत्रीय प्रांतीय अधिकारियों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। 12 अप्रैल को सुबह 10 बजे बाल्मिक मंदिर में से प्रारंभ होगी, यहां से शोभा यात्रा के पहले सभा होगी जिसमें समाज के लोग मौजूद रहेंगे अपने बात रखेंगे।

शव लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे परिजन

अशोकनगर। जिले के कचनार थाना अंतर्गत ग्राम हापाखेड़ी में हुए हादसे के बाद घायल युवक की उपचार के दौरान भोपाल में मृत्यु हो गई। इस घटना पर जहां लोगों द्वारा इस हादसा बताया जा रहा है, तो वही परिजनों द्वारा इसे हत्या कहते हुए पूरे मामले की जांच कराने की मांग की है। कलेक्ट्रेट पहुंचे लोगों ने बताया कि मुरली शाक्यवार अपने घर साथियों के पुताई करने के लिए हापाखेड़ी गया था, इसी बीच उसके साथ अनहोनी हो गई, जिसकी सूचना हमे रात्रि में मिली, जब हम अस्पताल पहुंचे उसे भोपाल रैफर कर दिया, जहां उसकी मृत्यु हो गई। उन्होंने शंका जाहिर की उसके साथ कोई अनहोनी हुई है, जिसकी जांच हो।